हेरिटेज बिल्डिंग की सुरक्षा के लिए 10,000 माइक्रो ब्लास्ट

महाराष्ट्र की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो

दिसंबर 2023 के अंत तक होगा पहला चरण शुरू

■ **मुंबई,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. आरे से कफ परेड तक चलने वाली अंडर ग्राउंड मेट्रो लाइन-3 के हुतात्मा चौक स्टेशन के लिए नया इंजीनियरिंग कार्य किया गया है. इस स्टेशन के ऊपर स्थित हेरिटेज बिल्डिंग की सुरक्षा के लिए जमीन के नीचे 10,000 माइक्रो ब्लास्ट किए गए हैं. बता दें कि यह महाराष्ट्र की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो है, जिसमें कुल 27 स्टेशन है और उसमें से 26 स्टेशन अंडरग्राउंड हैं. इन 26 स्टेशनों की खुदाई करते समय मुख्य रूप से ऑस्ट्रियाई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है. इस तकनीक के अनुसार, जमीन के नीचे खुदाई करने वाली मशीनरी ले जाने के लिए कम जगह लगती है. यह कार्य उत्कीर्णन लंबवत तरीके से किया जाता है. उसके बाद भूमि की खुदाई को आगे बढ़ाया जाता है. इस तरह पूरे 33 किलोमीटर रूट का टनल 100 फीसदी पूरा हो चुका है. लेकिन मुंबई के दक्षिण में स्थित हेरिटेज इमारतों की वजह से मुंबई में यह काम जोखिम भरा था. उसमें भी हुतात्मा चौक स्टेशन ज्यादा चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा था.

इमारतों को नुकसान पहुंचाए बिना खुदाई सफलतापूर्वक पूर्ण : इस लाइन को मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसी) विकसित कर रही है और उनका कहना है कि सुरंग खोदने के दौरान कुछ स्थानों पर जमीन के अंदर विस्फोट किया गया, लेकिन हुतात्मा चौक स्टेशन के सिरे पर 10 से अधिक हेरिटेज बिल्डिंग होने के कारण यह संभावना थी कि ये इमारतें विस्फोटों से हिल जाएंगी और इसलिए बड़े विस्फोटों के बजाय भूमिगत खुदाई के लिए 10,000 माइक्रो ब्लास्ट का उपयोग किया गया. इस वजह से इमारतों को नुकसान पहुंचाए बिना खुदाई सफलतापूर्वक पूरी की जा सकी. इस स्टेशन के लिए हेरिटेज इमारतों के नीचे 253 मीटर लंबा प्लेटफॉर्म बनाया गया है. एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म तक जाने के लिए आठ छोटी-छोटी इंटरसेक्टिंग टनल भी बनाई गई हैं. ये सभी कार्य कठिन होने के बावजूद सफलतापूर्वक पूरा किया गया हैं. इस स्टेशन का काम 82 फीसदी पूरा हो चुका है.

100%
टनलिंग का काम पूरा

93.3 %
सिविल वर्क हुआ

53. 8 %
सिस्टम वर्क किया गया

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मई में जब मेट्रो-3 के काम का जायजा लिया था,तब उन्होंने कहा था कि इस प्रोजेक्ट का लगभग सभी काम पूरा हो चुका है और मेट्रो रेलवे का पहला चरण दिसंबर 2023 के अंत तक पूरा हो जाएगा. मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रोजेक्ट समय पर पूरा हो जाएगा. गौरतलब है कि मेट्रो 3 रूट को मेट्रो-1, 2, 6 और 9 के साथ-साथ मोनोरेल से जोड़ा गया है. इसके अलावा उपनगरीय रेल लाइन को मुंबई हवाई अड्डे के अलावा चर्चगेट और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से जोड़ा जाएगा.